बिरज

भासा में पढ़बे-लिखबे
की पूर्ब-पिरबेसिका किताब

nirmaan
empowering communities

बिरज भासा में पढ़बे-लिखबे की पूर्ब-पिरबेसिका किताब

(Reading and Writing in Braj : Pre-Primer)

सामन संबत सुदी 2075 (अगस्त 2018)

छपबे बारी किताबन की गिनती: 200

© निर्माण सोसायटी

तईयार करबे बारे

जगदीश चन्द नैहचैनिया, सतवीर चौधरी, रतन लाल योगी, दिनेश चन्द,

राजेश भारती, जगराम और रतन सिंह

संग दैबे बारे

मुकेश कुमार योगी, शैला डिसौजा और फेबा जोस

कलाकार

मुकेश कुमार पलासली

टाइप करबे बारौ

रतन लाल योगी

पिरकासन

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, ब्लू बर्ड स्कूल के पास, डीग,

भरतपुर, राजस्थान-321203

Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web-www.nirmaan.org.in

Ph.-05641-224424

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन:प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

दो-बात

सबते पहलैं पढ़बे और लिखबे की बिरज भासा में भौत सरल किताब। ई कोई जरुरी नाय कै या किताब ते उन्नै कछू पढ़नौ होगौ। या किताब ते तुमन्नै बुढ़ापे में भी अक्छरन्नै पढ़बे कौ पतौ चलैगौ। ई किताब हमन्नै यूं बनाई कै अक्छरन्नै जब कभी भी बडौ-बूढ़ौ बैंकन में जाबै तौ उनपै पईसान की परची भी ना भरी जाबै। बे यूंई बैंकन में डोलते फिरते डोलैं कैई दिना तक चक्कर काटते रहमैं पर उनकी परचीन्नै कोई भी ना भरै। याई बातै सोच समझ कैं हमन्नै तिहारे काजैं ई किताब बनाई है। जाते तुम कमते-कम बैंकन की ओर दूसरी जिगह पै कामयाब तौ है जायेंगे। अगर तुमन्नै यूं लगै कै हमनै या किताब में कोई गलती करीयै तौ तुम अपने बिचारन्नै हम कूं जरूर बतामै याते कि हम या किताब में और जादा सुधार कर सकैं।

इन फोटून में काह फरक है

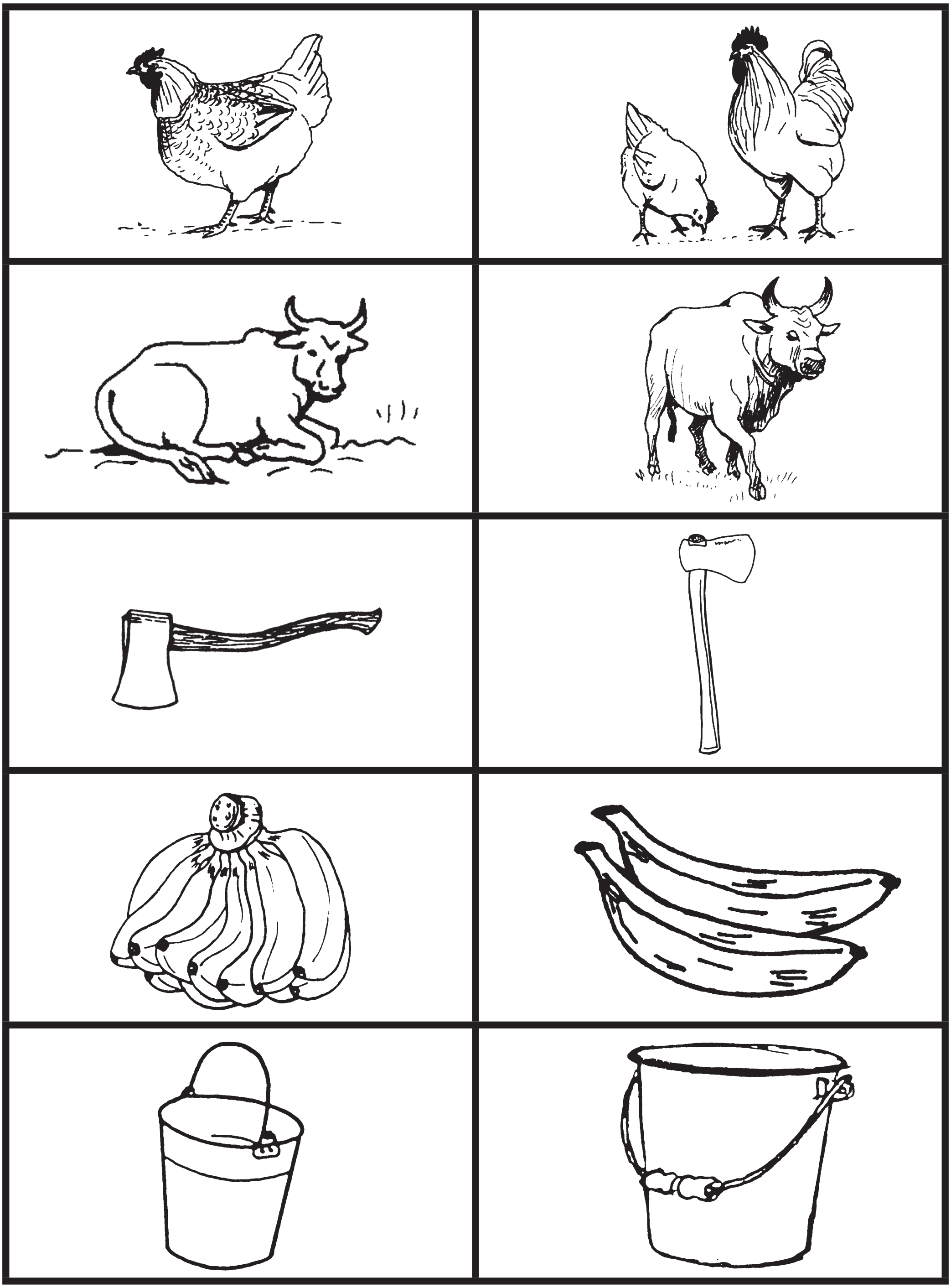

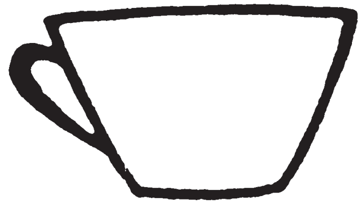

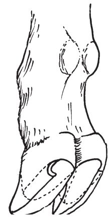
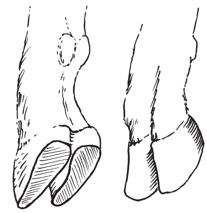
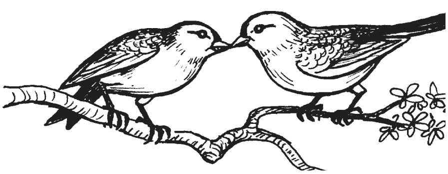

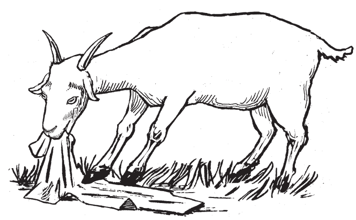
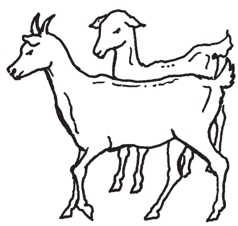
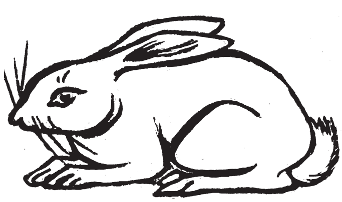
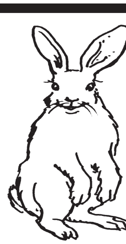

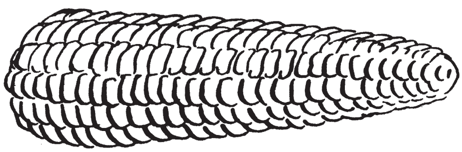
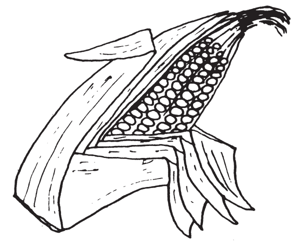

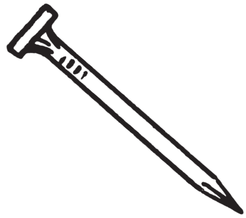
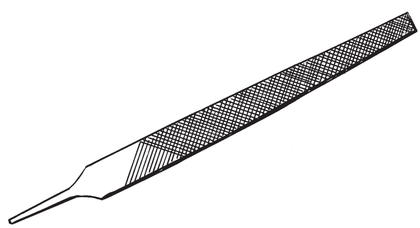
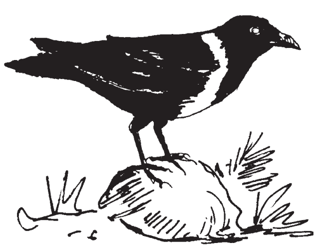

इन डिब्बान में ते एक जैसे फोटून्नै पहचान कैं बताओ

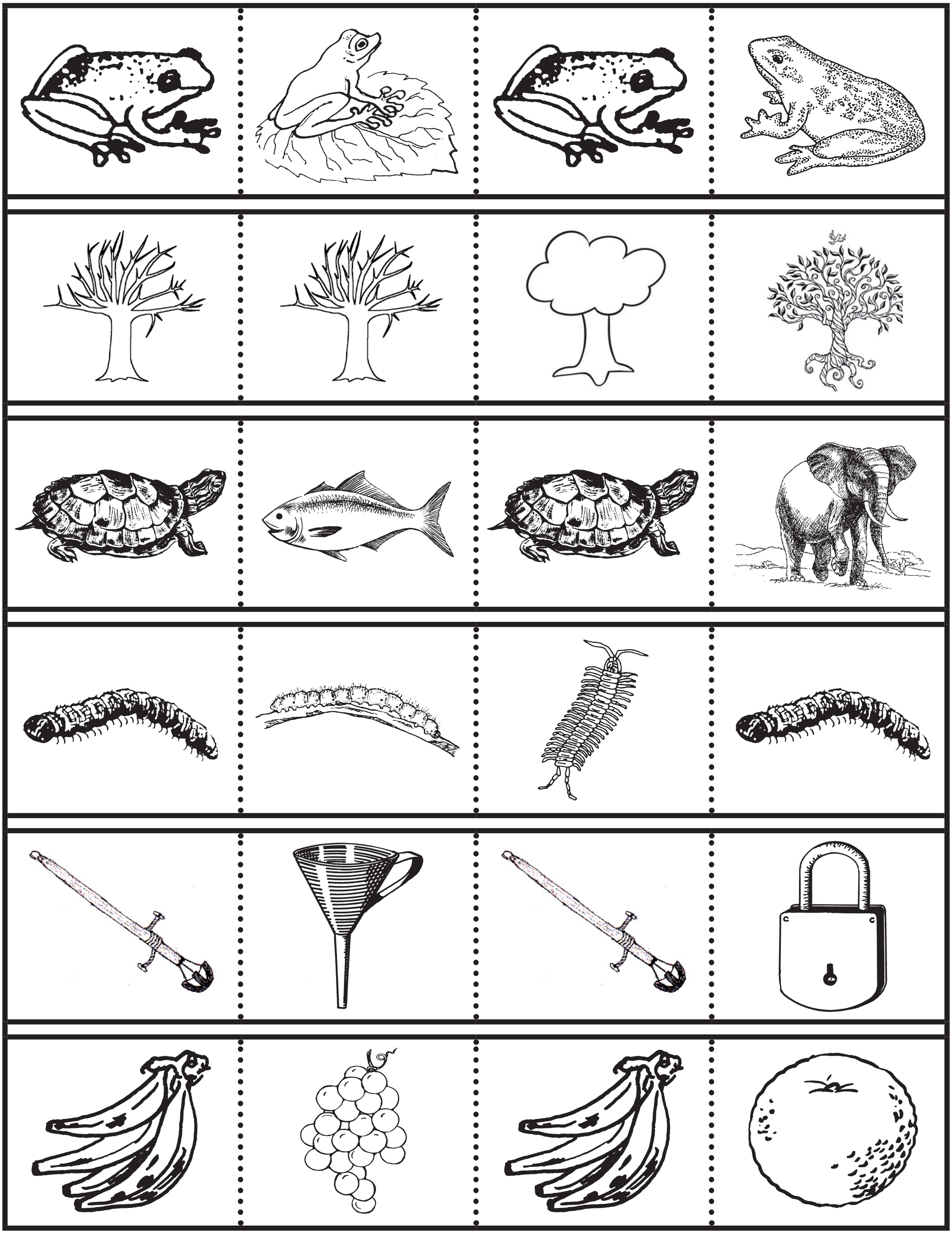

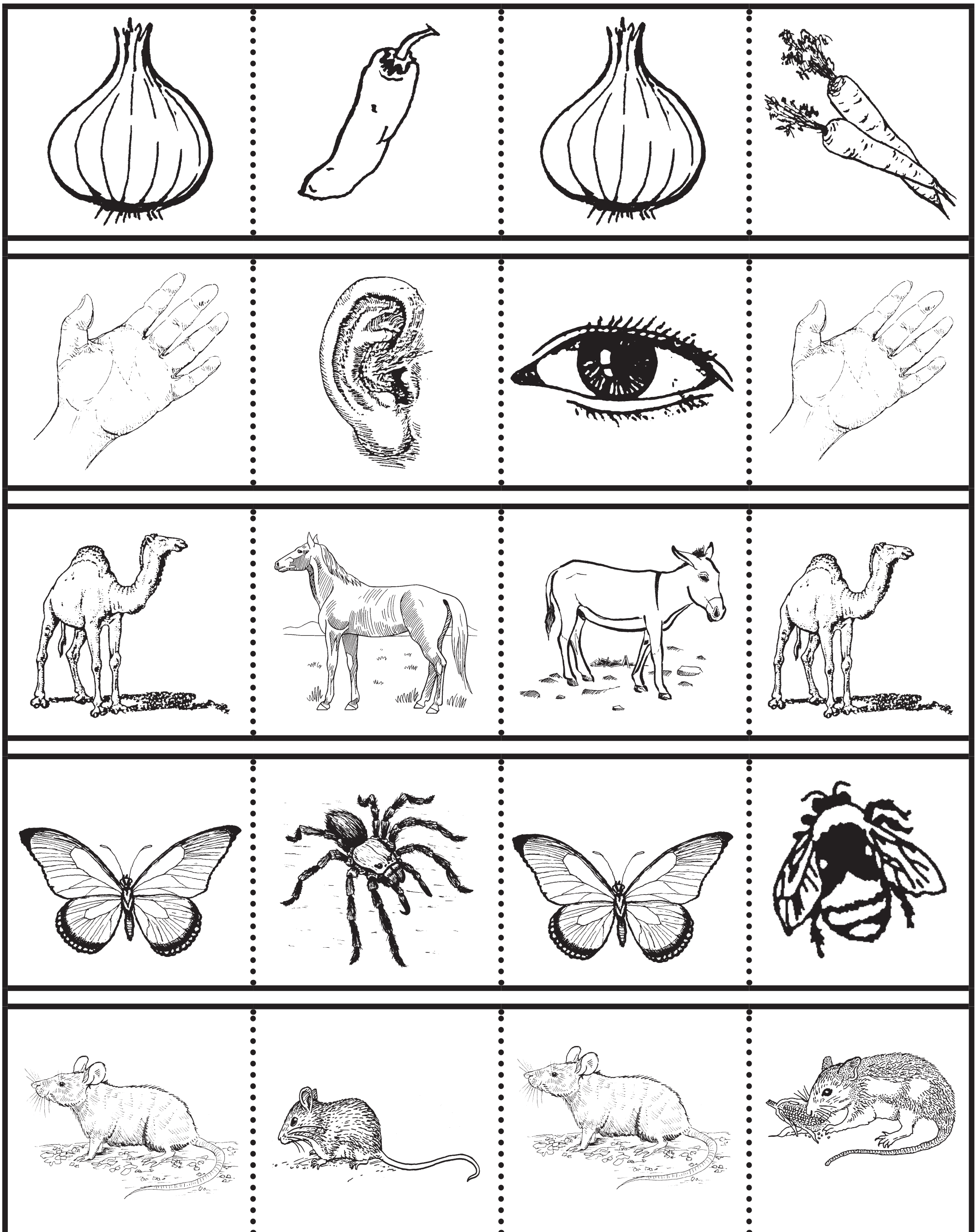

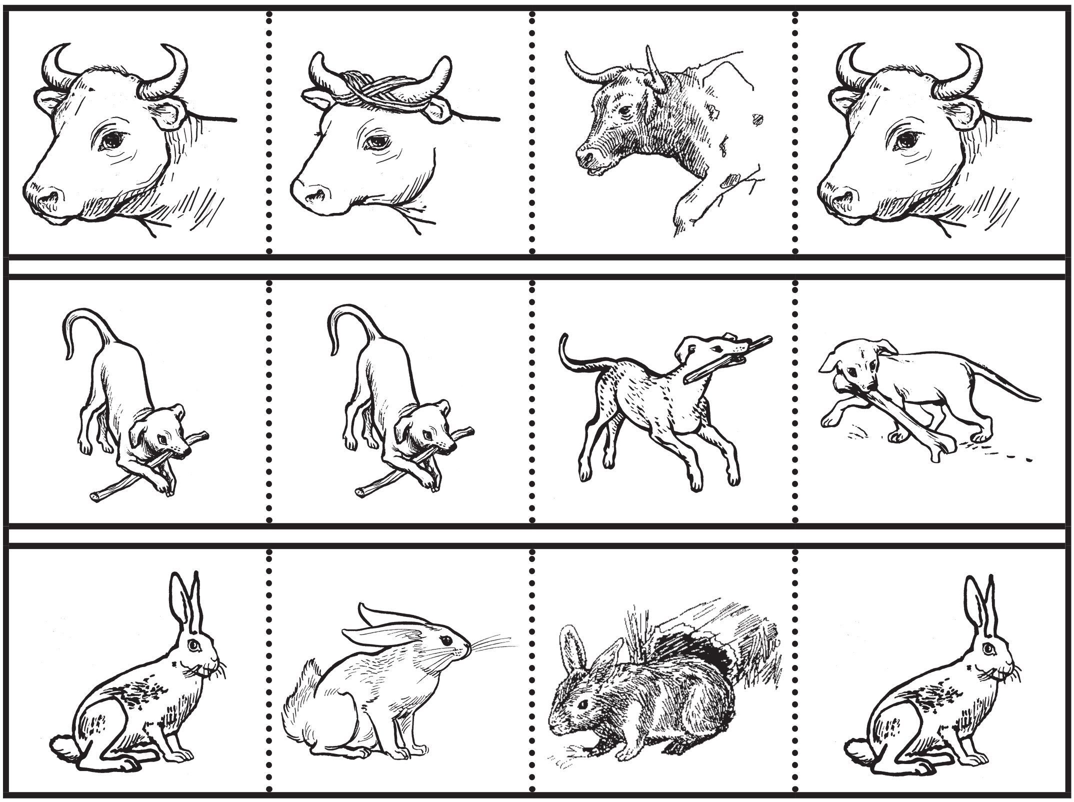

दोस्त और दुसमन

एक पोत की बातै जाडेन के दिनाये तौ एक छोटी सी चिरियाय भूक लगरई तौ ऊ कछू खाबे कूं उड़कैं जारी। ठंड भौत जादा बढ़गी तौ चिरिया पै सहन ना हुई और खून जमगौ तौ चिरिया धरती पै गिरगई। वहां पै एक गईया नै बाके ऊपर गोबर कर दियौ। गोबर के नीचैं दब्बे ते चिरियाय अहसास हैबे लगौ कि या गोबर के चोथ में ते गरमी मिल रईयै। लगातार गरमाट के अहसास नै ऊ छोटी सी चिरिया सुकुन ते भर गई और गानौ गाबौ सुरु कर दियौ। फिर वहां ते एक बिल्लो निकरकैं जारी और देखबे लगी कै ई अवाज कहां ते आरीयै। नैक देर डटकैं बाय पतौ परी कै ई अवाज गोबर के चोथ में ते भीतर ते आरीयै। बानै गोबर कौ चोथ हटायौ तौ बामै चिरिया बहार निकरी और बाय खाबे कूं लगी तौ इतनी देर में वहां पै एक कुत्ता आगौ और बिल्लो ते बोलौ याकौ काह करेगी। बिल्लो बोली मैं याय खाऊंगी तौ कुत्ता बोलौ या गोबर कीय और कच्चीय खाबैगी। याय धोकैं और भूंजकैं खा। बिल्लो नै चिरिया सुखाबे रख दई और भूंजबे काजैं लकड़िया लैकैं आई। चिरिया की पर सूकगी और उड़गी।

इन बनाबटन में काह फरक है

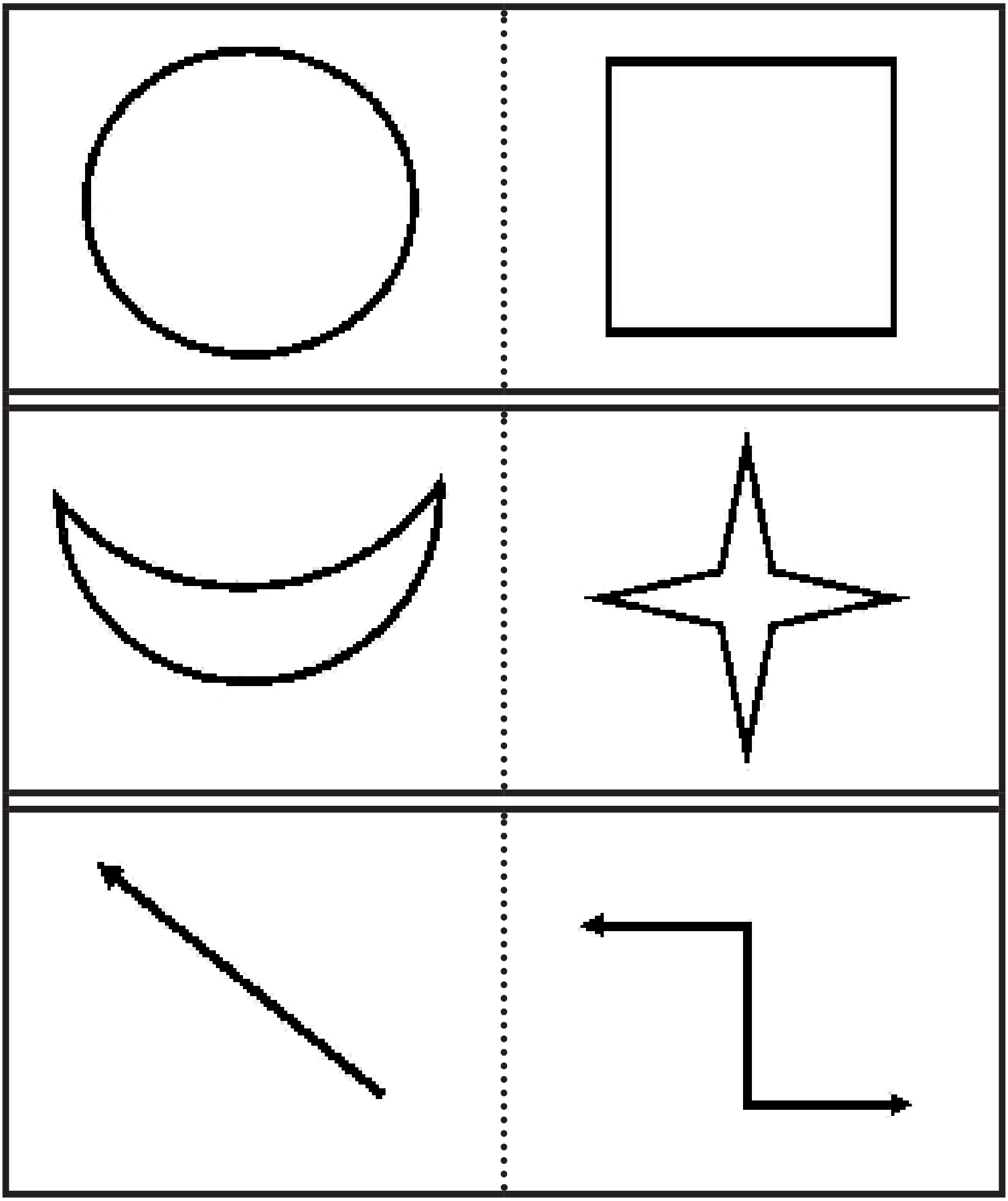

इन डिब्बान में ते एकसी बनाबटन नै पहचान कैं बताओ

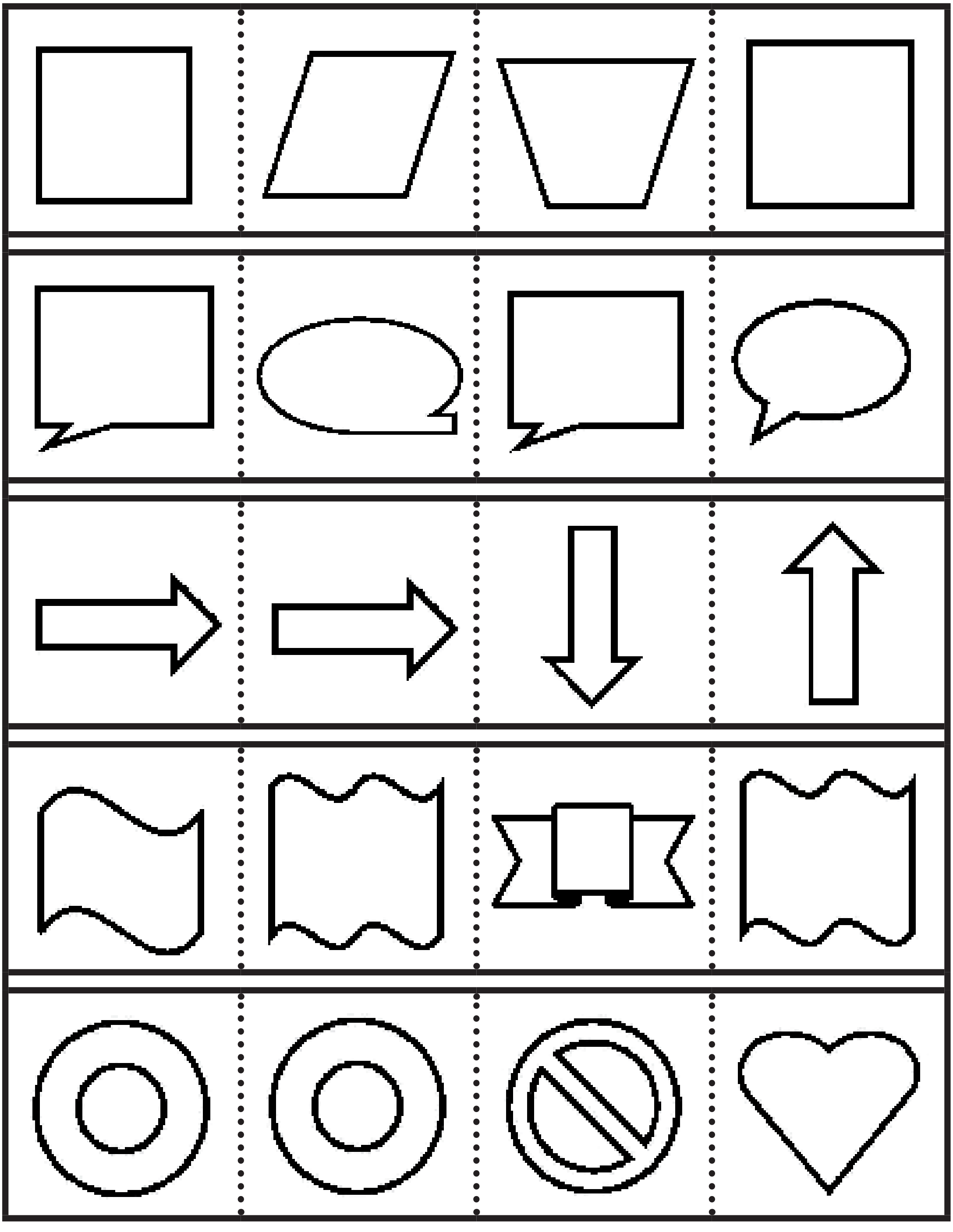

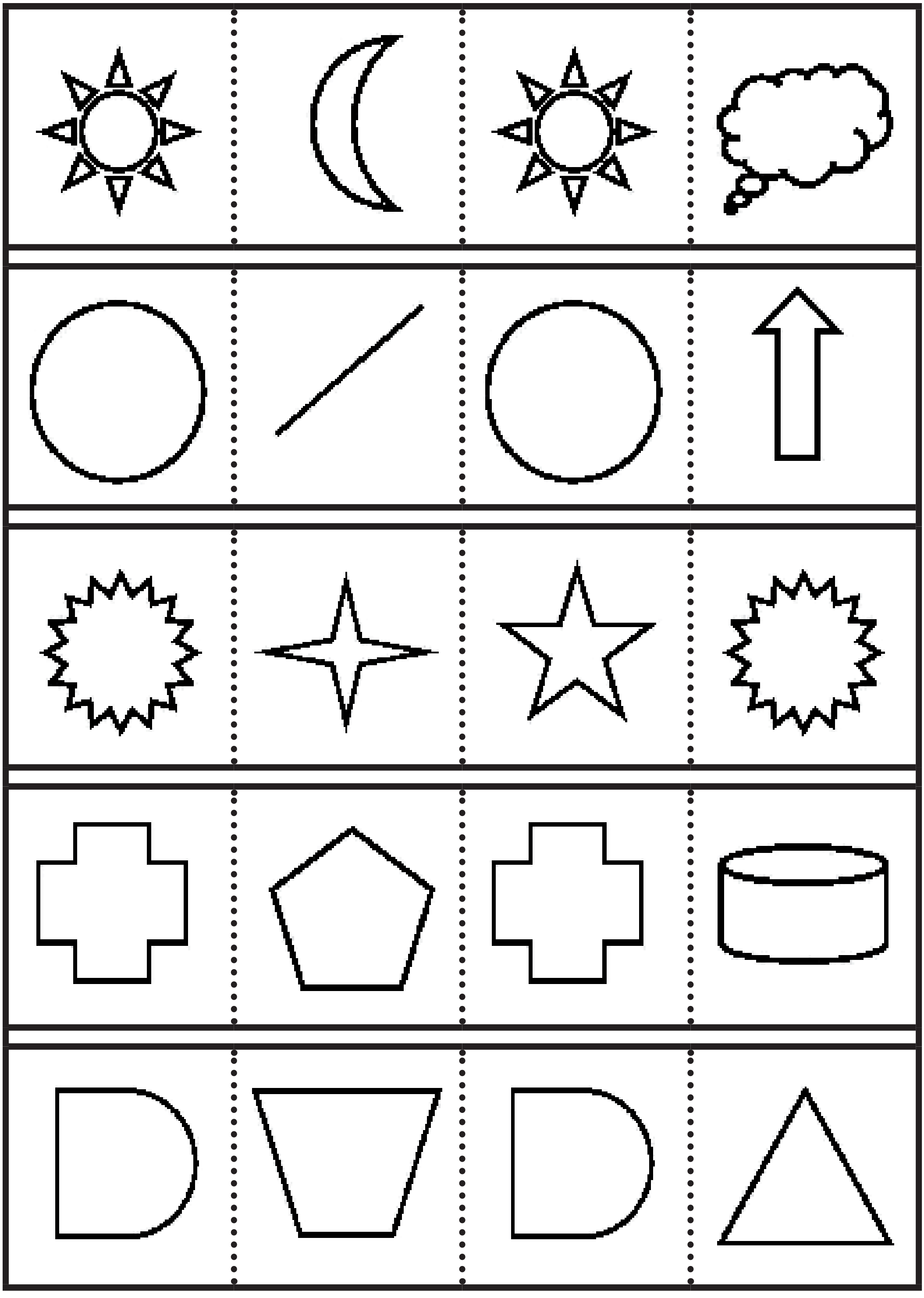

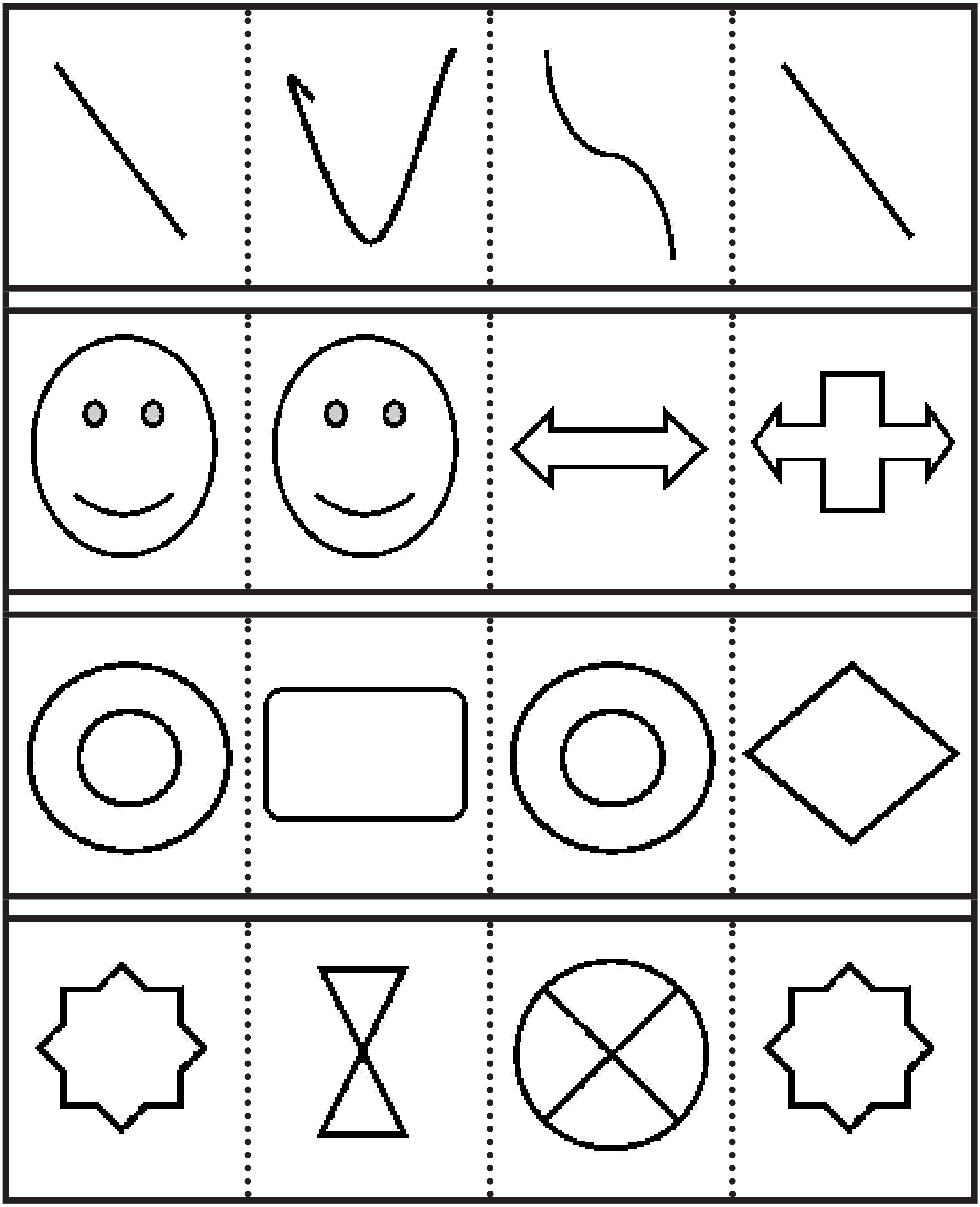

ईमानदार लकड़हारौ

एक लकड़हारौ बू अपनौ जीबन यापन लकड़ियान्नै काट-काट कैं गुजारौ करैऔ। बू बिचारौ भौत गरीबौ एक पोत लकड़हारौ नदी के किनारे पेड़ पै ते लकड़िया काटरौ। अचानचक बाकी कुड़हारी पानी के भीतर गिर गई। बू झट्ट रोबे लग्गौ और बू नदी के देवता की पिराथना करबे लग्गौ। तौ नदी कौ देवता वहां पै आयौ और लकड़हारे ते पूछी ऐंरे तू क्यों रोरौय। लकड़हारे ने सबरी बात बताई। तौ नदी के देवता नै नदी में चुब्बक लगाई और एक सौने की कुड़हारी लैकैं बहार आयौ। तौ लकड़हारौ बोलौ ई कुड़हारी मेरी नाय बानै नाई कर दी। फिर दुबारा नदी के देवता चांदी की कुड़हारी लैंकै आयौ। लकड़हारे ने फिर नाई कर दी। क्योंकि बू कुडहारी बाकी नाई। जब फिर नदी कौ देवता एक लोहे की कुड़हारी लैकैं आयौ। तौ बू लकड़हारौ अपनी कुड़हारी देख तेई खुस हैगौ और बानै अपनी कुड़हारी लैली। देवता ईमानदार लकड़हारे ते भौत खुस हुयौ और इमानदारी देख कैं बाकूं तीनौं कुड़हारी दैदी।

बनाबौ सीकौ

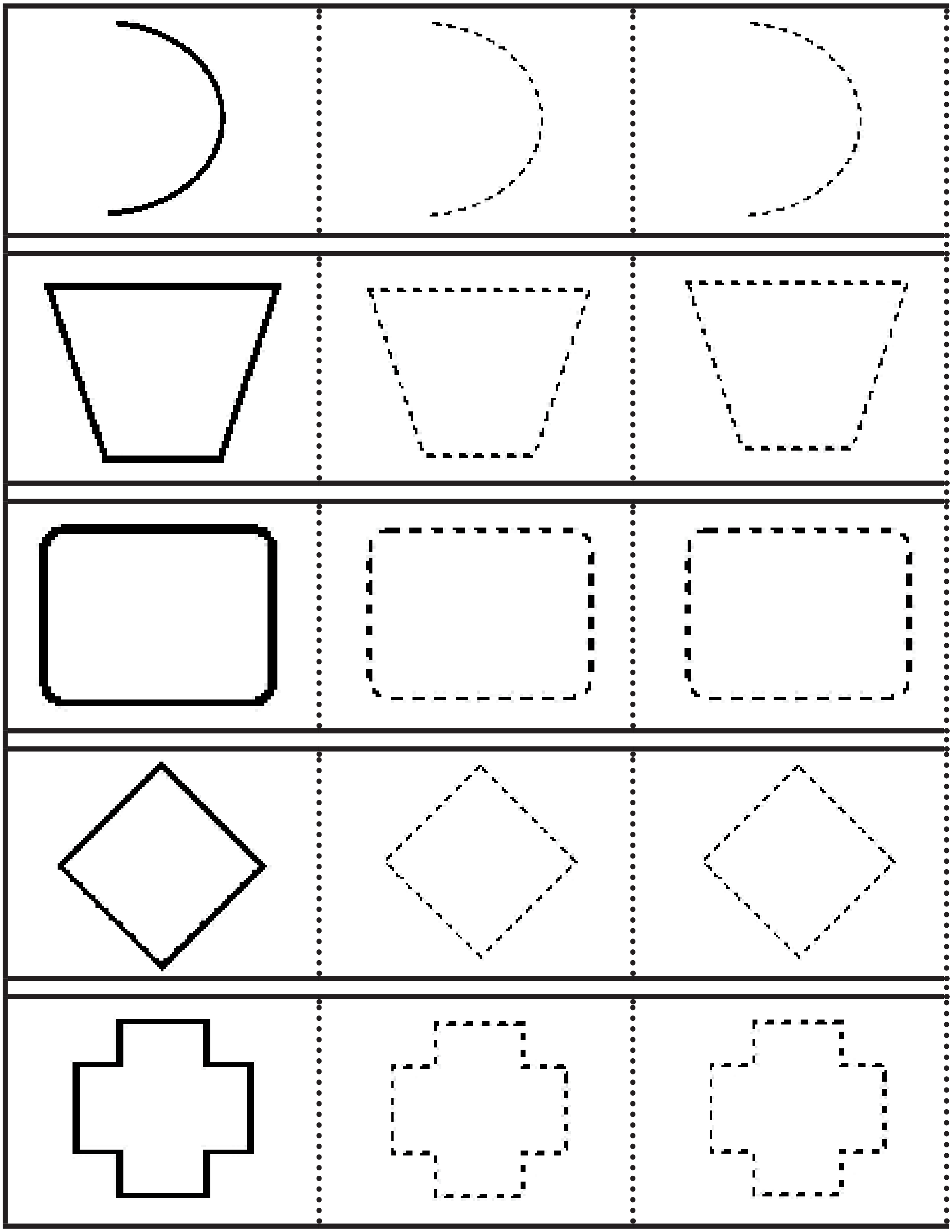

बनाबौ सीकौ

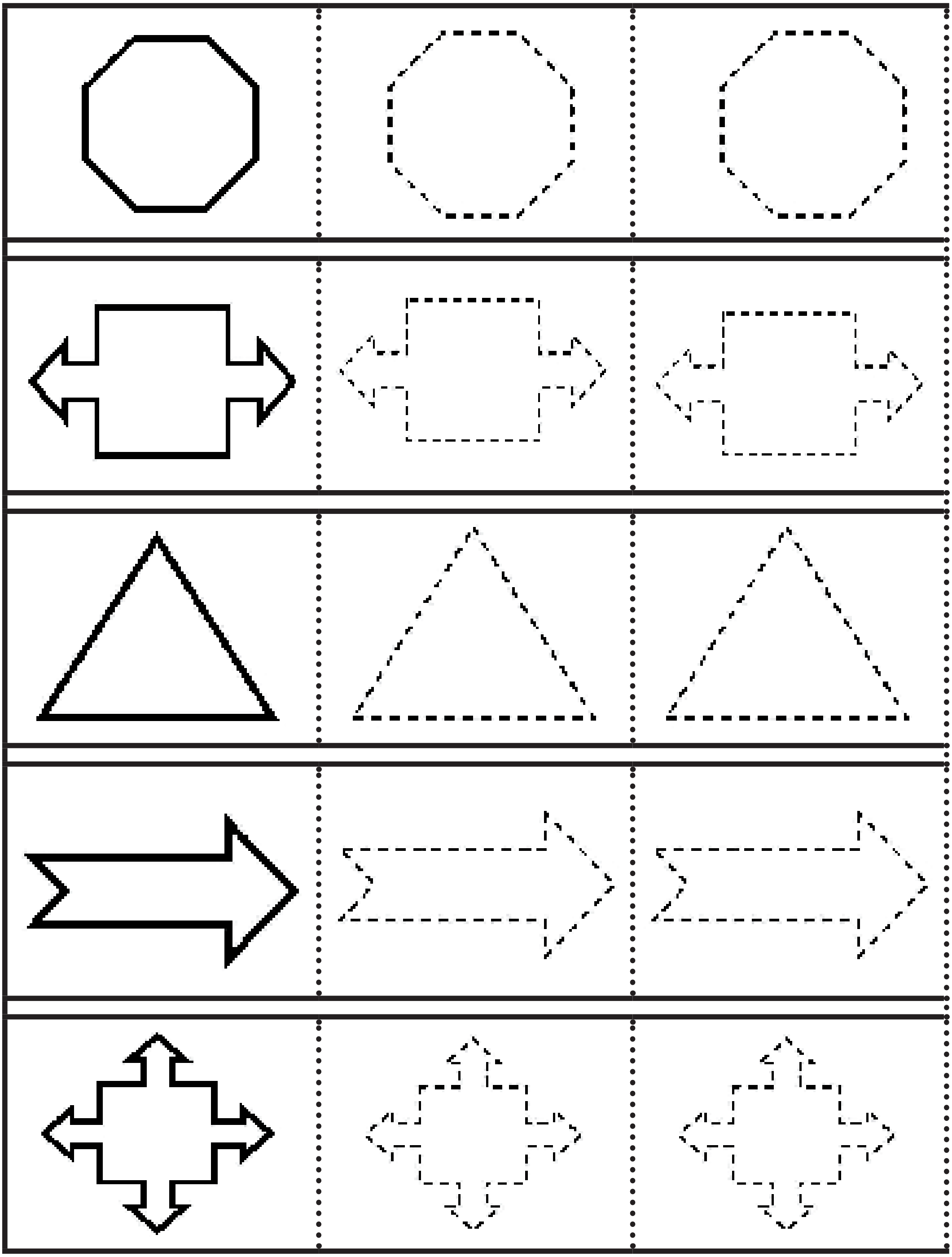

गधा और धोबी

एक गरीब धोबियौ। बाके ढिंग एक गधाऔ। गधा भौत जादा कमजोरौ। क्योंकि बाकूं भौत कम खाबे पीबे कूं मिलैऔ। एक दिना धोबीये एक मरौ हुयौ सेर मिलौ। बानै सोची कै या सेर की खालै मेरे गधा के ऊपर डार दुंगौ और पड़ोसी के खेत में चरबे कूं छोड़ दे करुंगौ। किसान समजे करिंगे कै सांस मांस कौ सेर है और या के डर के मारैं दूर रह करिंगे। अपनौ गधा आराम ते खेत पै चर ले करैगौ। धोबी नै नुकनी अपनौ काम कर डारौ और बाकी ई तरकीब काम कर गी। एक दिना गधा रात में खेत में चरौं तौ बाय कोई गधईया की रैंकबे की अवाज सुनी। ऊ बा गधईया की अबाजै सुनकैं जोर-जोर ते रैंकबे लगौ। गधा की अवाजै सुनकैं किसानन्नै बाकी असलियत कौ पतौ चलगौ बे गधा के ढिंग गये और बामै खूब मार दई।

एक लैन में ते एक जैसे अक्छरन्नै पहचानौ

क	छ	क	द
च	च	उ	ड
ट	थ	न	ट
त	त	ठ	ल
प	अ	प	ब
ज	न	य	ज

इन सबरे डिब्बान में ते एक जैसे अक्छरन्नै पहचानौ

य	ड	ल	य
ल	ध	फ	ड
ड	अ	य	ल
ध	फ	ड	ध
अ	य	अ	फ
फ	ध	ल	अ

लिखबौ सीकौ

क	d	d
च	p	p
ज	t	t
ट	V	V
त	r	r

लिखबौ सीकौ

प	i	i
य	;	;
ल	y	y
फ	Q	Q
स	l	l

इन सबरे डिब्बान में ते एक जैसे अक्छरन्नै पहचानौ

क	क	ट	प
अ	ट	च	ज
ट	ज	क	अ
च	अ	ट	च
प	प	अ	क
ज	अ	ट	ज

बेटी और सेब

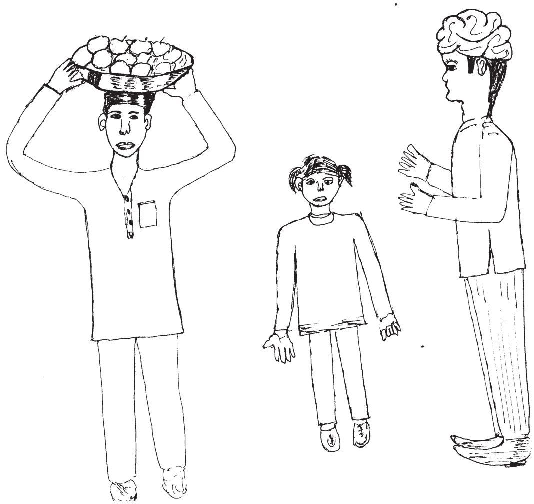

एक पोत एक मांईस अपनी बेटी के संग एक बगीचा में खेल रौ। तब वहां पै सेब बेचबे बारौ आयौ। बेटी नै अपने पिता ते सेब लैबे कि कही तौ बानै अपनी बेटी कूं दो सेब खरीद लिये। बेटी नै अपने दोनूं हातन में एक-एक सेब लै लियौ। पिता नै अपनी बेटी ते पूछी कि एक सेब मोकूं दै सकै। या सुनते ही बेटी नै एक सेब में ते एक गप्पा खा लियौ। याते पहलैं कि पिता कछू कहबै, बेटी नै दूसरे सेब कौ भी गप्पा खा लियौ। या देखकैं पिता भौत दुखी हुयौ और सोचबे लगौ कि सायद मैंनै अपनी बेटी कूं गलत संस्कार दिये हैं तब बू इतनौ लालच दिखा रईयै। जब ऊ सोच रौ तभी बेटी नै बाकी ओर एक सेब बाकी की ओर बढाते हुई कही कि पापा, तू या सेबै खा ई ज्यादा रसीलौ और मीठौय। बानै सेब लै लियो। या बात पै पिता पै कछू कहबे कूं ना बनौ। बाय बुरौ लगौ कि बानै बिना सोचे-समझे अपनी बेटी के बारे में गलत सोच बना ली। हालांकि ऊ अपनी बेटी के प्यारै देखकैं भौत खुस हुयौ।

एक लैन में ते एक जैसे सब्दन्नै पहचानौ

अब	कप	खर	अब
गम	गम	घत	चर
बन	टप	बन	झट
खर	डर	मन	खर
नल	नल	सट	झर
थन	मन	थन	रग

एक लैन में ते एक जैसे सब्दन्नै पहचानौ

सब	सब	मर	कर
टप	झर	टप	सप
रब	बर	सक	रब
कब	हद	कब	छप
हर	हर	जग	फल
कद	दर	नस	कद

एक लैन में ते एक जैसे सब्दन्नै पहचानौ

अकल	कमल नबज अकल
सबक	सबक नरक कमल
बरफ	लटक बरफ तकत
खबर	दरद जनम खबर
महक	महक सरप बचत
हजम	खतम हजम नबज
झगर	बगद उजर झगर

एक लैन में ते एक जैसे सब्दन्नै पहचानौ

लगन	लगन अगर लटक
नगद	बरप नगद सरक
बखत	झनक पटक बखत
पलक	बगर पलक पकर
सरम	सरम टरक बगल
अदब	मरज नरक अदब
नगद	पकर नगद अगर

इन फोटून्नै कहानी के हिसाब ते जमाऔ

प्यासौ कउआ

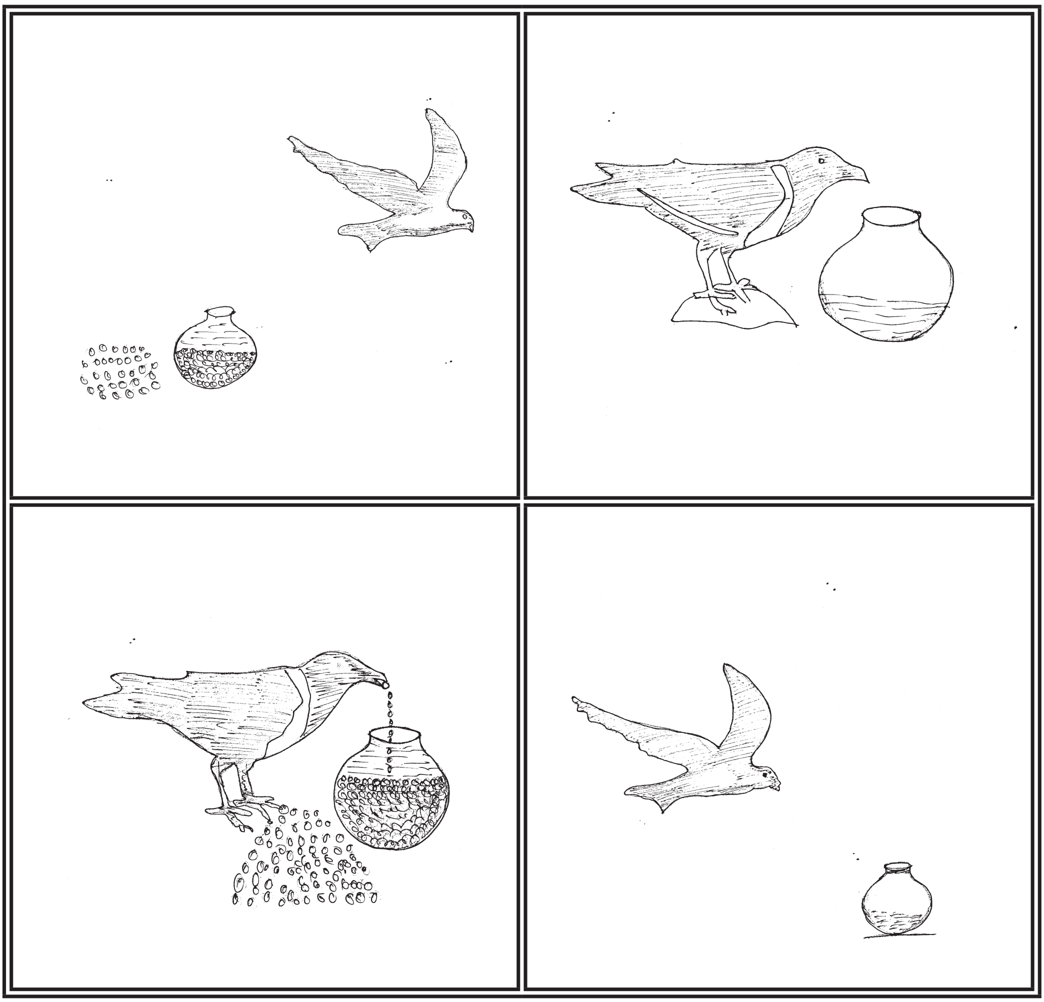

इन फोटून्नै कहानी के हिसाब ते जमाऔ

दो बिल्लो और बंदर

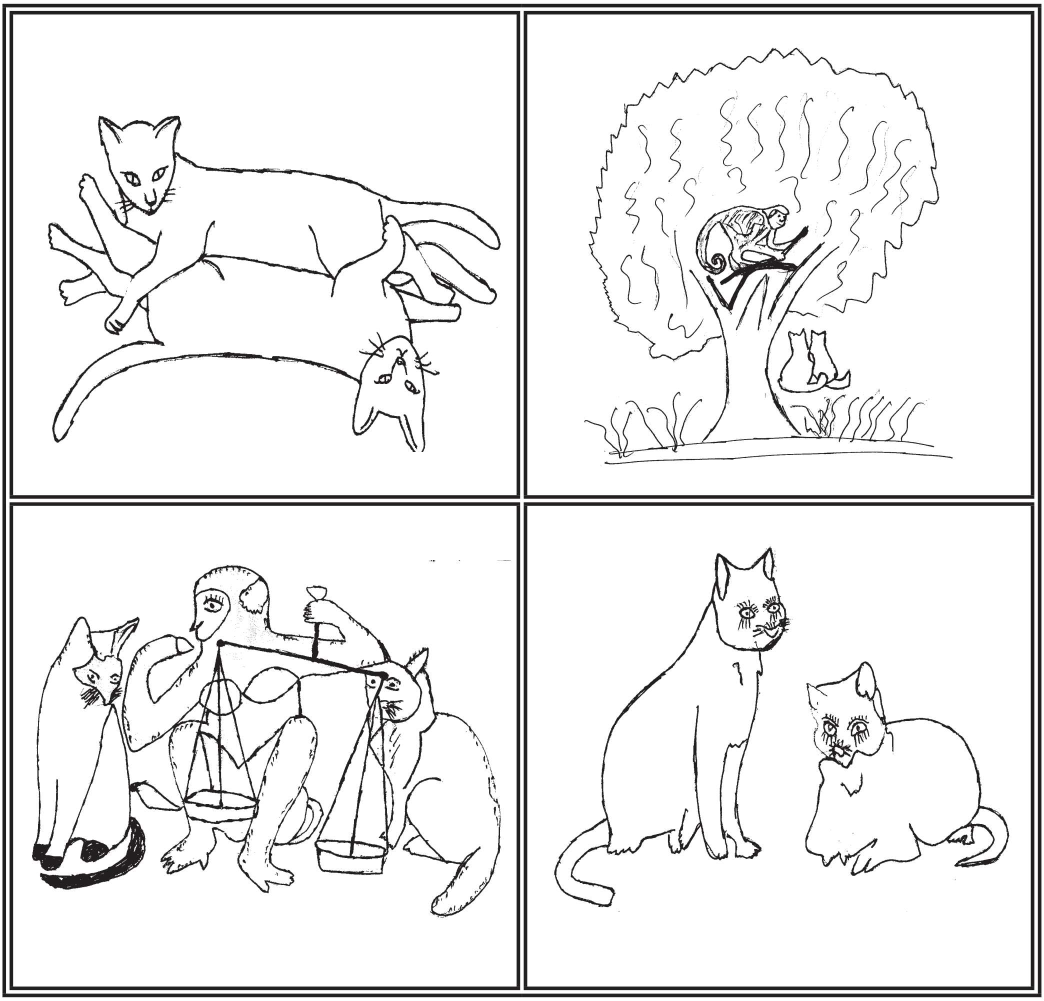

इन फोटून्नै कहानी के हिसाब ते जमाऔ

बिल्लो के गरे में घंटी बांधनौ

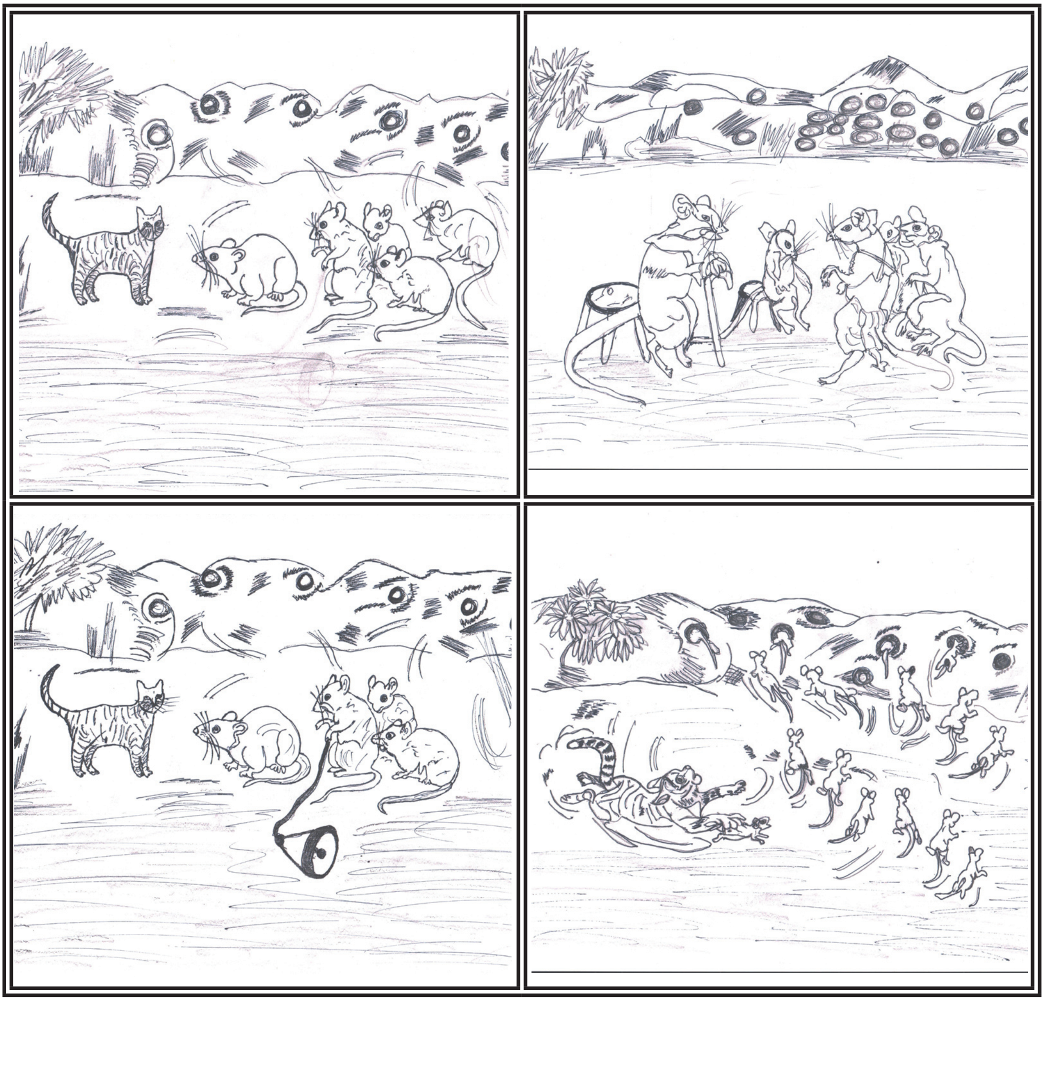

इन फोटून्नै कहानी के हिसाब ते जमाऔ

मूरख कचुआ